कुशलायतन

जनवरी 2010

वर्ष - 2 अंक -5 web : www.kushlayatan.com, e-mail : kushlayatan@yahoo.com

तपोभूमि – कुशलायतन

प.पू.गुरुदेव श्री जिनचन्द्र सूरिजी महाराज साहब

मनुष्य जीवन को कल्याणकारी बनाने के लिए सत्य साधना को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने के लिए कुशलायतन का बड़ा महत्त्व है। यदि यह कहा जाए कि सत्य साधना एवं कुशलायतन एक-दूसरे के पर्याय है तो अतिशयोक्ति नहीं होगा। बीकानेर जिले का गांव नाल और वहां स्थित कुशलायतन का सत्य साधना केन्द्र देश-विदेश में विख्यात है। यहाँ सत्य साधना मौलिक स्वरूप में सिखायी जाती है। दरअसल, यह परिसर वर्षों से जैन गुरुवरों की साधना स्थली रहा है। यहाँ रहकर अनेक मुनिवर साधना क्षेत्र में लीन रहे हैं। आज भी यहां साधकों के लिए निःशुल्क प्रवास तथा भोजन की व्यवस्था कुशलायतन द्वारा ही की जाती है। यहां प्रतिमाह 21 तारीख को दस दिवसीय सत्य साधना शिविर का आयोजन नियमित रूप से हो रहा है। इस तरह के शिविर में भाग लेने वाले साधकगण अपने जीवन को सुखमय बना रहे हैं। कुशलायतन का अपना मिशन निरन्तर चल रहा है। निःसंदेह साधकों का रुझान भी अपेक्षाकृत बढ़ा है।

सत्य साधना की अलख जगाने में परम पूज्य गुरुदेव जंगम युग प्रधान वृहत् भट्टारक खरतरगच्छाधिपति जैनाचार्य श्रीपूज्य श्री जिनचन्द्र सूरिजी महाराज साहब अत्यंत महती भूमिका निभा रहे हैं। आप सदैव ही जनकल्याण एवं मानव मंगल के कार्यों में व्यस्त रहते हैं।

महाराज साहब ने विश्व में प्रचलित अनेक साधनाओं का खूब गहन अनुभव किया। साधना पथ पर चलते हुए आपने सिद्धियां भी प्राप्त कीं। किन्तु अन्ततः आपने ध्यान साधना यानी सत्य साधना को ही अनुभव के आधार पर मनुष्य के लिए चुना। आपश्री को अनुभव हो गया कि सत्य साधना ही मनुष्य का कल्याण कर सकती है। यह हमारा सौभाग्य है कि परम योग्य विद्वान आचार्य ने सत्य साधना को मौलिक स्वरूप में सुरक्षित ही नहीं रखा, बल्कि आज इसका लाभ जनसामान्य को दिए जा रहे हैं।

महाराज साहब ने वर्ष 1980 में कुशलायतन की स्थापना की। उस समय लोग अचरज में थे, कि शहर से दूर इस स्थान पर कुशलायतन की आखिर क्या उपयोगिता! आप ''अकेला चलो'' के सिद्धान्त पर बने रहे। आपने सत्य साधना का दीपक प्रकाशवान किया। आपको साधना करते हुए देख, आपकी प्रेरणा से साधक भी बढ़ने लगे। पुरुष-महिला, वृद्ध, प्रौढ, युवा और बाल वर्ग आदि सभी के लिए साधना के द्वार खुले हैं। महाराज साहब की प्रेरणा से हर वर्ग के जन कुशलायतन में सत्य साधना के लिए आ रहे हैं। आपश्री दूसरे शहरों में भी सत्य साधना शिविरों का आयोजन कर मनुष्यों को आदर्श मनुष्य बनाने में लगे हुए हैं। आप सत्य साधना के द्वारा जन-जन को सुख बांट रहे हैं। समता में रहना सिखा रहे हैं।

सत्य साधना नितांत पुरातन सम्पदा है। यह सत्य का मार्ग है। यह मानव मात्र के लिए है। इसमें विशेष एवं सामान्यजन का भेद नहीं। इसमें व्यक्ति प्रमुख नहीं होता है। जो जन इसे अनुभव के स्तर पर अभ्यास में ला सकें, अपने लिए कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। यहां तो वर्तमान में मनुष्य को रह सकने का महत्त्व समझ में आता है। जब व्यक्ति स्वयं साधना में जुट जाता है तो दरअस्ल वह स्वयं का भला कर रहा होता है। सत्य साधना में विधि यानी मार्ग विशेष होता है। विधि में जो चरण बताये जाते हैं उन्हें करना होता है।

सत्य साधना करने का परिणाम सुखद एवं कल्याणकारी होता है। जब व्यक्ति साधना का अभ्यास करता है तो वह अपने मन के विकारों को धोने का क्रम एवं कर्म कर रहा है। अब तक बिगड़ा-बिगड़ा सा मन साधना के दौरान अनुशासन की पालना करने लगता है। साधक उसे अपने सजगता के गुण के कारण न तो अतीत में झांकने देता है और ना ही भविष्य की खिचड़ी बनाने देता है। जब भी साधक को लगता है कि मन अपने नियत कार्य और वर्तमान से बिछुड़कर इधर-उधर चला गया है तो वह उसे उसी क्षण में वापस उसी स्थान और वर्तमान काल में लाकर कार्य में अभ्यस्त कर देता है। इस तरह साधना से व्यक्ति में हरक्षण सजगता का गुण पुष्ट होता जाता है। मन के वर्तमान काल में रहने से मन का स्वभाव समता में बने रहने का बनता रहता है। जीवन में हो रही घटनाओं पर ऐसे मन के स्वामी सज्ञन प्रतिक्रिया नहीं करते। घटना को तटस्थ रहकर अनुभव करते हैं। प्रतिक्रिया नहीं करने से आस-पास का वातावरण बिगड़ता नहीं। साथ ही मन में किसी के प्रति घृणा, क्रोध, अपमान, अहंकार, ईर्ष्या, लोभ, मोह नहीं पनपता। सभी परिस्थितियां सुख देने वाली बन जाती है। साधना से व्यक्ति के सदाचार पुष्ट होते हैं। सदाचारी स्वभाव के धनी दूसरों को सुख पहुंचाते हैं। इस तरह सत्य साधना मनुष्य को सार्थक जीवन जीने की कला सिखाती है। आप भी तपोभूमि कुशलायतन पधारें.... शिविर करें.... साधना करें ....

सभी प्राणी निर्भय हों, निर्वैर हों, निर्लेप हों।

वार्षिक रिपोर्ट - 2009

जैन यति गुरुकुल संस्थान

- जैन यति गुरुकुल संस्थान द्वारा प्रतिमाह दस दिवसीय सत्य साधना के शिविरों के सफल आयोजन नियमित रूप से किए गए। इसमें 146 साधक-साधिकाओं ने लाभ प्राप्त किया।
- सत्य साधना के दस दिवसीय शिविर कर चुके साधकों हेतु दस दिवसीय स्वयं-शिविरों के आयोजन हुए। इसका सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि पुराने साधक इस दिशा में और अच्छा अभ्यास एवं पुरुषार्थ कर पाये।
- शिविरों में साधकगण की बढ़ती संख्या के मद्दे नजर इस वर्ष साधक निवास का विकास एवं विस्तार किया गया । निर्माण कार्य के फलस्वरूप 18 नए कमरे साधक निवास में बढ़ा दिए गए हैं। इन सभी में आधुनिक सुविधाएं दी गई।
- जल सुविधा सुचारु करने के उद्देश्य से नया ट्यूब वैल बोरिंग करवाया गया। लगभग 905 फुट की गहरी खुदाई से जल निकाला गया।
- बाल शिविरों का नियमित आयोजन हुआ। बालक-बालिकाओं ने शिविरों में भाग लिया।
- गुरु-पूर्णिमा महापर्व श्रद्धा एवं धूमधाम से मनाया गया। कुशल विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने सतरंगी कार्यक्रम प्रस्तुत किया। महाराज साहब ने प्रवचन के द्वारा सभी को सत्य साधना का मार्ग दिखाया।

भावी योजनाएं

- परिसर की ऊंची-नीची जमीन में अतिरिक्त मिट्टी भरवाकर लेंड स्केपिंग/भूदृश्य निर्माण करना। परिसर में शोध केन्द्र, भूमिगत पानी के कुण्ड/स्टोरेज, पानी की पाइप लाइन, सिवरेज लाइन, वाटर हारवेस्टिंग, बिजली फिटिंग, नए पार्कों का निर्माण, परिसर में विभिन्न सड़कों का निर्माण कार्य, आधुनिक सुविधाओं से समृद्ध किचन, डाइनिंग हॉल, साउण्ड प्रूफ ध्यान हॉल और साधना कुटिरों का निर्माण करना।

कुशल विद्यापीठ

- परमपूज्य गुरुदेव महाराज साहब का जन्मोत्सव एवं शाला का वार्षिकोत्सव भव्य स्तर पर मनाया गया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। स्थानीय सांसद एवं विधायक सहित अनेक गणमान्य सज्जन यहां पधारे। महाराज साहब के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी इस अवसर पर दिखाई गयी।
- कुशल विद्यापीठ का परिणाम शत-प्रतिशत रहा।
- कुशल विद्यापीठ के प्रांगण में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- पुरस्कार वितरण किए गए।
- कक्षा 8 के विद्यार्थियों का विदाई समारोह आनंदपूर्वक किया गया।
- कुशल विद्यापीठ में मूक-बधिर छात्र को शिक्षा देने की चुनौती को स्वीकार किया गया।
- शाला में अभिरुचि कला प्रशिक्षण दिया गया।
- कुशल विद्यापीठ में एक पीरियड सत्य साधना का होता है और हर शनिवार सत्य साधना के बाल शिविर होते हैं।

भावी योजनाएं

- कुशल विद्यापीठ को C.B.S.E. से मान्यता लेना।
- कुशल विद्यापीठ में कक्षाएं बढ़ाना।

कुशल औषधालय

जैन यति गुरुकुल संस्थान द्वारा नाल में संचालित कुशल औषधालय नियमित रूप से रोगियों को स्वास्थ्य लाभ दे रहा है।

- प्रतिदिन 60-65 रोगी कुशल औषधालय की सेवा ले रहे हैं। चेकअप के बाद निःशुल्क दवाइयों की व्यवस्था भी यहां हो रही है।
- नाल, सालासर, चांडासर, कोडमदेसर, जैमलसर गांवों के हजारों रोगियों का इलाज इस वर्ष भी किया गया। सभी को दवाइयां निःशुल्क दी गयीं।
- कुशल विद्यापीठ के विद्यार्थियों का नियमित मेडिकल चेकअप किया जाता है।

भावी योजनाएं

- कुशल औषधालय में '' ड्रेसिंग रूम '' तैयार करवाना।
- कुशल औषधालय में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा मुहैया करवाना ।

बड़ा उपासरा

- बड़ा उपासरा के आंगन को शेड के द्वारा कवर करने का निर्माण कार्य करवाया गया। इससे आंगन में धूप और बरसात में भी बैठ पाना संभव हो रहा है।
- बड़ा उपासरा में दिव्य पर्युषण पर्व साधनामय वातावरण में मनाया गया। पर्युषण पर्व की महत्ता पर महाराज साहब ने प्रवचन दिए।
- पर्युषण पर्व के दौरान सत्य साधना का अभ्यास भी चलता रहा।
- प्रति रविवार एक दिवसीय शिविर और बाल शिविर होते हैं।

सत्यम् शोध संस्थान

- सत्य साधना शिविर पर आधारित दस दिन के दिशा-निर्देशों की रिकॉर्डिंग की गयी। एक दिवसीय शिविर के निर्देशों की रिकार्डिंग का कार्य भी हुआ।
- कठेलकाता, बीकानेर, नाल में हर रविवार को एक दिवसीय सत्य साधना शिविर के नियमित रूप से आयोजन हो रहे हैं। महिदपुर (म.प्र.) में प्रति सोमवार एक दिवसीय शिविर हो रहा है।
- कुशलायतन पत्रिका का नियमित प्रकाशन कार्य हो रहा है।
- श्वास दर्शन के निर्देशों की दो सी.डी. के सेट तैयार किये गये।
- गुरु-पूर्णिमा महोत्सव की डी.वी.डी जन सुलभ कराई गई।
- पर्युषण पर्व के प्रवचनों के आठ भाग की डी.वी.डी.जन सुलभ कराई।
- परम पूज्य गुरुदेव महाराज साहब के जन्मोत्सव एवं कुशल विद्यापीठ के वार्षिकोत्सव की डी.वी.डी जन सुलभ कराई।

भावी योजनाएं

- कोलकाता, मुर्शिदाबाद, सूरत, मुंबई, इन्दौर, हैदराबाद तथा अन्य शहरों में सत्य साधना के दस दिवसीय शिविरों का आयोजन करना।
- अंग्रेजी, गुजराती, तेलुगु , बंगाली, राजस्थानी भाषाओं में दिशा निर्देशों को अनुवाद करवाना।
- सत्य साधना से संबंधित साहित्य का प्रकाशन करवाना।
- शिक्षण संस्थानों एवं कैदी सुधार-गृहों में सत्य साधना शिविर लगाना।
- सत्य दर्शन के निर्देशों की सी.डी. बनाना।
- सत्य साधना से सम्बन्धित प्रवचन श्रृंखला व वार्ताओं की रिकार्डिंग करना।

भावी सत्य साधना शिविर

कुशलायतन, नाल में होने वाले आगामी दस-दिवसीय सत्य साधना शिविरों की जानकारी निम्न है

21-01-2010 से 01-02-2010
21-02-2010 से 04-03-2010
21-03-2010 से 01-04-2010
21-04-2010 से 02-05-2010
21-05-2010 से 01-06-2010
21-06-2010 से 02-07-2010
26-07-2010 से 06-08-2010
21-08-2010 से 01-09-2010
12-09-2010 से 23-09-2010
21-09-2010 से 02-10-2010
23-10-2010 से 03-11-2010
07-11-2010 से 18-11-2010
21-11-2010 से 02-12-2010
21-12-2010 से 01-01-2011

शिविर में कम-से-कम पन्द्रह दिन पूर्व बुकिंग अवश्य कराएं। बुकिंग नीचे लिखे प्रकारों में से किसी एक प्रकार से करा सकते हैं।

- फोन : 0151-2886713 की Answering Machine पर अपना नाम, टेलिफोन/मोबाइल नम्बर और जिस कोर्स में शामिल हों उस कोर्स के माह और तारीख की सूचना देकर।
- e-mail : kushlayatan@yahoo.com
- web : www.kushlayatan.com से फार्म भरकर
- पोस्ट अथवा कोरियर कर
- 0151-2886611 पर फैक्स कर

- सम्पर्क सूत्र -

सत्यम् शोध संस्थान, कुशलायतन
पो. नाल, बीकानेर - 334001 राज.
0151-2886731, 09829173801

बाल शिविर

8 से 18 वर्ष की आयु के सभी बालक-बालिकाएं बाल शिविर में शामिल हो सकते हैं।

कुशलायतन, नाल (बीकानेर)
में हर **शनिवार** को सुबह 9 से 11 बजे

बड़ा उपासरा, रांगड़ी चौक, बीकानेर
में हर रविवार को सुबह 9 से 11 बजे

- संपर्क सूत्र -

पूजा कोचर - 09929328856

एक-दिवसीय सत्य साधना शिविर
केवल उनके लिए जिन्होंने कम-से-कम एक दस दिवसीय शिविर कर लिया है

कुशलायतन, नाल में हर रविवार को
प्रातः 9 से शाम 4 बजे
- सम्पर्क सूत्र -
अनुराधा : 9024358291

रंग सूरि पौषाल, कोलकाता
में हर रविवार को
प्रातः 9 से शाम 4 बजे
- सम्पर्क सूत्र -
प्रीति भूतोड़ीया : 09330544444
पुष्पा बैद : 09231608860
चित्रा मुकीम : 09830941273
किशोर जैन : 09805614284
आशीष डागा : 09830697111

शीतलनाथ भवन, कोलकाता में 06-06-2010 से 17-06-2010
दस दिवसीय शिविर में सभी व्यस्क बालक-बालिकाए भी शामिल हो सकते हैं। जिसके लिए ऊपर लिखे सम्पर्क सूत्र पर 15 दिन पूर्व बुकिंग अवश्य कराए।

बड़ा उपासरा, रांगड़ी चौक, बीकानेर
में हर रविवार को
दोपहर 12 से शाम 7 बजे
- सम्पर्क सूत्र -
संजय बाँठिया : 09252060857

दादाबाड़ी परिसर, महिदपुर
में हर सोमवार को
सुबह 5 से दोप. 12 बजे
- सम्पर्क सूत्र -
नरेन्द्र नाहर : 09425431474
सुरेन्द्र धाड़ीवाल : 09424830612

Satya Sadhna

Satya Sadhna method of meditation is extremely ancient meditation method in India. To spread this method of meditation to the mass, Jain Acharya Shree Pujyaji Shree Jin Chandra Suriji, has always tried his best ways and means. What is Satya Sadhna method of meditation? It is natural for normal common people to be curious about it. This form of meditation is self visionary, truth oriented and a very simple and easy way of self commanding, which helps our conscience to head towards the path of undoubted purity and freedom. Our behavior is to continuously fall into the trap of anger and bitterness which leads us to sadness and sorrow. If we manage to change this behavior of ours then anger and bitterness can be replaced by a balanced vision. For the knowledge of meditation methods it is important to have the sense of self realization. It is not possible to achieve the art of meditation and its target by just hearing, reading or discussing. To achieve this it is important to go through a course of ten days.

Every month there are 10 days of meditation camps held in Kushlayatan meditation centre at Naal. And it is for all ten days that the campaigners have to stay in the meditation centre. The Centre takes care of making arrangements for food and accommodation for everyone coming to take part in the ten days camp.

ऐतिहासिक प्रतिमाओं के दर्शन का सुअवसर

बीकानेर। 33 वर्षों के पश्चात् ऐतिहासिक जैन प्रतिमाओं के दर्शन करने का सुअवसर स्थानीय श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर, कंदोई बाजार में मिल सकेगा। प्राचीन एवं अमूल्य जैन मूर्तियों को 29 जनवरी से 11 फरवरी 2010 तक मंदिर परिसर में जन-सामान्य के दर्शनार्थ रखा जायेगा। जैन समुदाय में इन महत्त्वपूर्ण प्रतिमाओं के प्रति गहरी आस्था एवं श्रद्धा जुड़ी हुई है। इस आयोजन के दौरान हर दृष्टि से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंध रहेगा।

33 वर्ष पूर्व इन जैन मूर्तियों को मंदिर में दर्शन हेतु रखा गया था। उस समय अनेक वृद्ध, प्रौढ़, युवा, बालक तथा महिला-पुरुषों ने पूजा अर्चना तथा दर्शन लाभ का सौभाग्य पाया था। उस अवसर के बाद अब यह सुनहरा मौका सन् 2010 में आया है।

इस अवसर पर अनेक परम पूज्य जैन साधु-सन्त व महाराज साहब पधारेंगे। आपश्री की उपस्थिति में ध्यानस्थ रूप में जैन मूर्तियों के दर्शन करने का लाभ तो मिलेगा ही, साथ ही साथ भगवान महावीर का ध्यान साधना का मूल संदेश भी जन-जन तक पहुंचेगा। आज की पीढ़ी इन संदेशवाहक मूर्तियों को ध्यान अवस्था में पायेगी तो उन्हें भी ध्यान के महत्त्व का ज्ञान-बोध हो पायेगा। अपने जीवन में ध्यान को स्थान देने की प्रेरणा मिलेगी।

सभी जन इस सुअवसर का अधिकाधिक लाभ उठावें क्योंकि यह स्वर्णिम अवसर नितान्त सौभाग्य से ही मिला है। इसलिए देश-प्रदेश के जैन समुदाय से बीकानेर पधारने का अनुरोध किया जा रहा है।

दर्शन हेतु रखी प्रतिमाओं को देखने वालों की संख्या को ध्यान में रखकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। ताकि सभी को सुविधापूर्वक जैन मूर्तियों के दर्शन का लाभ मिल सके एवं अपना मंगल कर सके।

*** सम्पर्क सूत्र ***

चन्द्रराज सिंह पारख 09460065256

सत्य साधना सुख प्राप्ति का मार्ग

बीकानेर, 1 जनवरी। सत्य साधना का सुख अनिर्वचनीय है। इस सुख को जो सौभाग्यशाली अनुभव करता है,वो ही सही-सही जानता है। इस जनकल्याणकारी साधना के अभ्यास से मन के विकार दूर होते जाते हैं, इससे मन शुद्ध होना आरंभ हो जाता है। निरंतर प्रयास एवं पुरुषार्थ से व्यक्ति अपने दुखों से छुटकारा पाते हुए सुख के मार्ग पर चलना सीख जाता है। सत्य साधना व्यक्ति को वर्तमान काल में रखती है। इस से मन इधर-उधर भटकने की आदत से छुटकारा पाता है। ऐसा मन शांत, निर्मल एवं सजग होने के साथ-साथ राग-द्वेष, अहंकार, क्रोध, चिड़चिड़ापन, तनाव आदि विकारों से मुक्त होता रहता है। मन भटकाव की बुरी आदत छोड़कर अनुशासन में रहना सीख जाता है। ऐसे मन का व्यक्ति हर क्षण समता भाव में बना रहता है। किसी घटना पर प्रतिक्रिया नहीं करता। इस तरह वह सत्य साधना के माध्यम से जीवन जीने की कला को आत्मसात् करके सुखी हो जाता है। आप सभी ने नववर्ष के शुभ अवसर पर सत्य साधना की सौगात पायी है। जहां भी रहें, प्रतिदिन सत्य साधना अवश्य करें। इस भेंट का सदुपयोग करते रहेंगे तो जीवन में सुख ही सुख होगा, यह उद्गार परम पूज्य गुरुदेव जैनाचार्य श्री जिनचन्द्र सूरिजी महाराज साहब ने जैन यति गुरुकुल संस्थान द्वारा आयोजित दस दिवसीय सत्य साधना ध्यान शिविर के समापन अवसर पर व्यक्त किए।

विभिन्न प्रदेशों से पधारे साधक-साधिकाओं ने गुरुवर के सान्निध्य में विश्व मैत्री, शांति एवं कल्याण की कामनाएं की। आज सभी ने सम्पूर्ण मौन खोल लिया। शिविर में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, आन्ध्र प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल के 45 साधक-साधिकाओं ने लाभ प्राप्त किया। सभी के ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था संस्थान द्वारा की गयी।

वार्षिक शुल्क रु. 100/-, पांच वर्ष का शुल्क रु. 500/-, सहयोगी रु. 5000/-, संरक्षक रु. 10000/-
यह राशि सत्यम् शोध संस्थान के नाम से A/c Payee, Payable at Bikaner भेजें

If undelivered please return to :-

Kushlayatan

Satyam Shodh Sansthan

Kushlayatan, Post - Nal

Bikaner (Raj.) Pin Code 334001

सत्यम् शोध संस्थान के लिए सम्पादक संगीता बोथरा द्वारा कुशलायतन, नाल-334001, बीकानेर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं सांखला प्रिंटर्स, बीकानेर से मुद्रित।

Date of Postage : 10th to 20th of Every Month

Book-Post

To,